## पाठ-9

# मनभावन सावन

**आइए, सीखें :** ● प्रकृति के प्रति प्रेम ● काव्य की सौन्दर्यानुभूति ● शुद्ध उच्चारण करना ● समान ध्वनि वाले शब्द ● अनुप्रास अलंकार ● उपसर्ग एवं पर्यायवाची शब्द ●काव्य-पाठ का कौशल।

*(**पाठ-परिचय :** सुमित्रानन्दन पन्त ने इस कविता में वर्षा ऋतु का ऐसा सजीव चित्रण किया है कि वर्षा का दृश्य हमारे सामने जीवन्त हो उठता है। इन्द्रधनुष के झूले में कवि अपने साथ हम सबको झुलाना चाहता है। वर्षा से प्रकृति हरी-भरी लगती है, पशु - पक्षी झूमने लगते हैं। इस तरह सावन के गीत सबके मन को भाते हैं।)*

झम-झम - झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम-छम-छम गिरतीं बूँदें तरुओं से छन के।
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-थम दिन के तम में सपने जगते मन के।

पंखों से रे, फैले-फैले ताड़ों के दल,
लम्बी-लम्बी अँगुलियाँ हैं, चौड़े करतल।
तड़-तड़ पड़ती धार वारि की उन पर चंचल,
टप-टप झरतीं कर मुख से जल बूँदे झलमल।

नाच रहे पागल हो ताली दे - दे चल-दल,
झूम-झूम सिर नीम हिलाती सुख से विह्वल।
हरसिंगार झरते बेला-कलि बढ़ती प्रतिपल,
हँसमुख हरियाली में खगकुल गाते मंगल

**शिक्षण संकेत** - ■ कविता को हाव-भाव व लय के साथ प्रस्तुत करें। ■ पंक्तियों के भावार्थ बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें ■ प्रकृति सौन्दर्य के बारे में बच्चों को समझाएँ ■ नागार्जुन की 'मेघ बजे' जैसी कविता बच्चों को सुनाएँ। सावन के गीत बच्चों को गाकर सुनाएँ। ■ कविता का सस्वर पाठ

दादुर टर–टर करते झिल्ली बजती झन–झन,
'प्याव' 'प्याव' रे मोर, 'पीउ' चातक के गण।
उड़ते सोनवलाक, आर्द्र सुख से कर क्रन्दन,
घुमड़–घुमड़ घिर मेघ गगन में भरते गर्जन।

रिमझिम –रिमझिम क्या कुछ बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते, छूते वे भीतर अन्तर।
धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर,
रज के कण–कण में तृण–तृण की पुलकावलि भर।

पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेर कर गाओ सावन।
इन्द्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर – फिर आये जीवन में सावन मनभावन।

– **सुमित्रानन्दन पन्त**

**कवि परिचय : सुमित्रानन्दन पन्त** – पन्त जी प्रकृति के सुकुमार कवि हैं। पन्त जी का जन्म सन् 1900 में अलमोड़ा के कौसानी गाँव में हुआ। आपका आधुनिक कवियों में अग्रणी स्थान है। छायावादी कवियों में आप आधार स्तम्भ माने जाते हैं। आपकी रचनाओं में प्रकृति का मनोरम वर्णन मिलता है। इसलिए आपको प्रकृति का चितेरा कवि कहा जाता है। 'मनभावन सावन' कविता पन्त जी की 'स्वर्णधूलि' से ली गई है। 'पल्लव', 'वीणा', 'ग्रन्थि', 'गुंजन', 'युगान्त', 'युगवाणी', 'ग्राम्या', 'स्वर्ण किरण', 'स्वर्ण धूलि' आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

## अभ्यास

### बोध प्रश्न

**प्रश्न 1 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| घन | ------------- | कर | ------------- |
| खगकुल | ------------- | सोनबलाक | ------------- |
| गगन | ------------- | अन्तर | ------------- |

| | | | |
|---|---|---|---|
| तृण | ------------- | दल | ------------- |
| तरु | ------------- | उर | ------------- |
| वारि | ------------- | प्रतिपल | ------------- |
| दादुर | ------------- | सिहरना | ------------- |
| रज | ------------- | पुलकावलि | ------------- |
| मनभावन | ------------- | | |

**प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -**

(क) सावन में मेघ किस प्रकार की ध्वनि करते हुए बरसते हैं?

(ख) ताड़ के पत्ते कवि को किस प्रकार दिखाई देते हैं?

(ग) पीपल और नीम अपनी खुशी किस तरह प्रकट करते हैं?

(घ) सावन में मंगल गीत कौन गाता है?

(ङ) दादुर और मोर खुशी में मदमस्त होकर किस प्रकार की ध्वनि करते हैं?

(च) सावन के गीत किस झूले में बैठकर गाने की इच्छा प्रकट की गई है?

**प्रश्न 3. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए -**

(क) वृक्षों की बूँदे किस प्रकार गिरती हैं?

(अ) झम-झम (आ) छम-छम (इ) चम-चम (ई) थम-थम

(ख) ताली देकर कौन नाच रहा है?

(अ) नीम (आ) बेला (इ) पीपल (ई) ताड़

(ग) म्याव - म्याव की ध्वनि किस पक्षी की सुनाई देती है?

(अ) दादुर (आ) बिल्ली (इ) सोनबलाक (ई) मोर

(घ) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है?

(अ) जयशंकर प्रसाद (आ) सुमित्रानन्दन पन्त

(इ) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (ई) महादेवी वर्मा

**प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखिए -**

(अ) मनभावन सावन कविता में कवि ने क्या सन्देश देना चाहा है? सोदाहरण लिखिए।

(ब) निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) हँसमुख हरियाली में खगकुल गाते मंगल।

(ख) उड़ते सोनबलाक, आर्द्र सुख से कर क्रन्दन

(ग) रोम सिहर उठते, छूते वे भीतर अन्तर

(घ) रज के कण–कण में तृण – तृण की पुलकवलि भर।

(स) बरसते मेघ, गिरती बूँदें, चमकती बिजली तथा मन के सपने का वर्णन करने में कवि ने जिन शब्दों का प्रयोग किया है उन्हें बताइए तथा इनका प्रयोग कर कविता की कुछ पंक्तियाँ को बनाइए।

## भाषा-अध्ययन

**प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए और लिखिए –**

विह्वल, आह्वान, चिह्न, ब्राह्मण, पूर्वाह्न, अपराह्न, विद्यार्थी, बाह्य, गद्य, हृदय

**प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के तुकान्त शब्द लिखिए** जैसे – घन, मन

| | | |
|---|---|---|
| सावन .............. | ताली .............. | दल .................. |
| गर्जन ............... | चमक ............. | तम ................... |
| स्वर ................ | झटती ............. | मन ................... |
| मुख ................ | चंचल ............. | प्रतिपल .............. |

**प्रश्न 3. झम-झम -झम शब्द – युग्म में ध्वन्यात्मकता है। इसी प्रकार के अन्य ध्वनि वाले शब्द लिखिए।**

**प्रश्न 4. इस कविता में जिन पंक्तियों में अनुप्रास अलंकार हैं, उन्हें छाँटकर लिखिए –**

(क) ...............................

(ख) ...............................

(ग) ...............................

(घ) ...............................

**प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्गयुक्त शब्दों को छाँटिए -**

अज्ञान, ज्ञान, कर्म, भरसक, बल, सुसंगति, सपूत, पुत्र, गैरकानूनी, अपशकुन, रूप, अत्याचार, लापरवाह, पूर्व, सफलता

**प्रश्न 6. सही विकल्प चुनिए-**

(क) पड़ती, झरती, हिलती इन शब्दों मे प्रत्यय ........ है?

(अ) ती (आ) ई (इ) आती (ई) नाती

(ख) हँसमुख हरियाली में ............. गाते मंगल।

(अ) रविकुल (आ) खगकुल (इ) अनुकूल (ई) मनकुल

(ग) जल का पर्यायवाची शब्द ........... नहीं है।

(अ) पानी (आ) वारि (इ) सलिल (ई) अनिल

(घ) इनमें से एक तत्सम शब्द ............. नहीं है।

(अ) तरु (आ) बिजली (इ) जल (ई) मुख

**प्रश्न 7. नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़िए -**

धिन-धिन-धा धमक - धमक

मेघ बजे

दामिनि यह गयी दमक

मेघ बजे

दादुर का कंठ खुला

मेघ बजे

धरती का हृदय धुला

मेघ बजे

पंक बना हरिचन्दन

मेघ बजे

हल का अभिनन्दन

क. इस कविता में 'धिन-धिन', 'धमक-धमक' शब्द युग्म आए हैं। इसी प्रकार के अन्य शब्द लिखिए।

ख. रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

ग. पद्यांश से लिए गए शब्दों की जोड़ी बनाइए -

| | | |
|---|---|---|
| दामिनी | - | कण्ठ खुला |
| दादुर | - | हरिचन्दन |
| धरती | - | दमक |
| पंक | - | हृदय धुला |

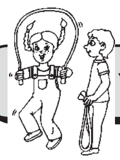

## योग्यता विस्तार

1. वर्षा ऋतु में जो आप अनुभव करते हैं, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
2. वर्षा ऋतु से संबंधित अन्य कविता शिक्षक की सहायता से खोजकर कण्ठस्थ कीजिए और बालसभा में सुनाइए।